



सागर, शुक्रवार 18 अगस्त 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

नारी सम्मान की न्यायिक शब्दावली

न्यायिक प्रक्रिया के दौरान नारी का सम्मान बनाये रखने के लिये सुप्रीम कोर्ट ने नई शब्दावली दी है। अनेक ऐसे शब्द जो नारी की गरिमा को गिराने वाले होते हैं, उसकी बजाय शीर्ष अदालत ने सम्मानजनक शब्द दिये हैं। एक हैंडबुक के जरिये सर्वोच्च अदालत ने जो शब्द इस्तेमाल में लेने के लिये कहा है, आशा है कि अब कच्छरी पहुँचने वाली महिलाओं को न्याय पाने के लिये अपनी प्रतिष्ठा के साथ समझौता नहीं करना होगा। शादी, तलाक, लिव इन लिंगशिप, यौन उत्पीड़न, प्रताङ्गन, सम्पत्ति, विवाह होने पर बच्चों की कस्टडी आदि कई तरह के मुकदमों की सुनवाई के दौरान महिला प्रक्षकारों का बेहद अपमानजनक भाषणवली से सामना होता है जिसके कारण उसके लिये न्याय को भूलकर अपनी प्रतिष्ठा को बचाना प्राथमिकता बन जाता है। पुरुष प्रधान समाज द्वारा रीचत महिलाओं की आबरू को तार-तार करने वाले कई शब्द, बाक्य और मुहावरे समाज में खूब प्रचलित हैं। महिलाओं को संबोधित करने वाले ऐसे रुद्धिवादी शब्दों को अपनी बाल की शब्दावली से हटाकर सुप्रीम कोर्ट ने जो नये शब्द दिये हैं, उम्मीद की जानी चाहिये कि वे कच्छरी की जिरह और दस्तावेजों में ही सीधी न रहकर पूरे समाज में इस्तेमाल होंगे ताकि औरतों को कोई ही नहीं वरन् यूरो समाज में अपमानित हुए जान संबोधित होने का मौका मिले।

हमारे यहाँ महिलाओं के स्थान के बारे में चाहे जितनी महिमा गाई जाये, सच्चाई यही है कि भारतीय समाज औरतों को वह समान नहीं देता जिसकी आधी आबादी हकदार है। बहुत से देशों का भी यह हाल ही सकता है। यह किसी एक धर्म या वर्ग से जुड़ी महिलाओं की भी बात नहीं है। थोड़े से अंश को छोड़ दिया जाये तो ज्यादातर महिलाएं देश में लैंगिक असमानता का शिकार हैं। फिर वे चाहें निम्न वर्ग की ही या मध्य वर्ग अथवा उच्च वर्ग की। शिक्षा ने कुछ फर्क ज़रूर डाला है पर असलियत यही है कि ज्यादातर महिलाएं अपने वाजिब अधिकारों की तरह ही समान से कापानी दूर हैं। पहले पिता या भाई के नियंत्रण में रहती स्त्रियां बाद में पिति और अंततः बुढ़ापे में पति के साथ रहते हुए या विधवा के रूप में पुत्रों पर अधिकता जीवन जीती हैं। उनकी भौतिक ज़रूरतों को लेकर होने वाली दुश्वारियां तो अपनी जगह पर हैं, घर हो या बाहर, वे आजीवन जिल्लत भरा जीवन जीती हैं। उहों जिन शब्दों से संबोधित किया जाता है वह अक्सर अपमानजनक होता है। घरों के बाहर भी महिलाओं को लेकर कोई बहुत अच्छी भाषा का उपयोग नहीं होता।

जो महिलाएं समाज में प्रचलित भाषा को चुपचाप सुन लेती हैं वे अच्छी मानी जाती हैं क्योंकि यह मानकर ही चला जाता है कि उनका जीवन इसी के लिये बना हुआ है या उनके प्रति ऐसे वाक्यों या शब्दों का प्रयोग गैरवजिब नहीं है। फिर, यदि औरत न्याय की दहलीज तक पहुँचने वाली ही तो, पुरुष का अहम अधिक आहत होता है। ऐसी औरतों के लिये कटुतर व ज्यादा अपमानजनक शब्द प्रयोग में लाये जाते हैं। ये शब्द लोक व्यवहार से चलकर कानूनी प्रक्रिया में दाखिल हो गये हैं। रुद्धिवादी भाषा महिला को उसके हक की लड़ाई में कमज़ोर कर देती है। औरतों को अपमानित करने वाला कानूनी दांव-पेंच शब्दों तक सीमित न रहकर महिला के विचारों और पोशाकों तक पहुँच जाता है। बलात्कार से पीड़ित महिला को इसांप बाने या दिलाने के लिये 'दामिनी' मूरी की तरह उस पीड़ितावायी घटना का सिलसिलेवार वर्णन करना होता है जो बलात्कार से कहीं अधिक दर्दनाक होता है; या फिर 'पिंक' फिल्म की भौतिक महिला पक्षकार को नाइट पार्टी का आदी साबित का चरित्रहीन बतलाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत को सभ्य समाज बनने के रास्ते पर एक और कदम चलाया है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रबूँद ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तैयार की गई एक हैंडबुक बुधवार को जारी की। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिये प्रयोग में लाये जाने वाले शब्दों पर रोक लगाना है। इस मोंक पर उहोंने कहा कि इस्तेमाल से जर्नों और वकीलों को लैंगिक रुद्धिवादी शब्दों के इस्तेमाल से बचने में सहायता मिल सकती। हैंडबुँक में दिये गये शब्द अब से अदालतों में जिरह करने के दौरान और उनके फैसलों में उपयोग में लाये जायेंगे। अनेक ऐसे शब्दों को वर्जित कर राहिलाओं के लिये सम्मानजनक जो शब्द इस हैंडबुँक में बतलाये गये हैं, उनमें कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं— अब तक प्रचलित प्रस्तुत्यूट, हूकर या रंडी के स्थान पर 'सेक्स वर्क', अडल्स्या या अफेयर (व्यभिचारिणी) की बजाय 'शादी से इतर संबंध' तथा हाउस वाइफ के बदले 'होममेकर' शब्द का इस्तेमाल होगा। ऐसे ही, कैरियर वूमन, इंडियन या वेर्स्टन वूमन, पवित्र महिला, स्लट या फूहूँ के स्थान पर केवल 'महिला' शब्द का प्रयोग होगा। बिन ब्याही मां को 'मां' तथा कीप या मिस्ट्रेस को 'गैर मर्द से संबंध' कहना होगा। बाल वेश्या को 'ऐसी बच्ची जिसकी तस्करी की गई', जन्म से लड़का-लड़की के स्थान पर 'जन्म के समय निर्दिष्ट लड़का या लड़की', स्ट्रैन (जब अपमान के उद्देश्य से इस्तेमाल में लाया गया हो) के बदले लिंग तटस्थ शब्द जैसे 'आत्मविश्वासी' या 'जिम्मेदार' लफ़ज़ों का प्रयोग होगा। भड़काऊ कपड़े केवल 'कपड़े' कहे जायेंगे और ये महिला की इच्छा के द्योतक नहीं होंगे। उनकी ना का अर्थ ना ही होगा।

आशा है कि महिलाओं को जो सम्मान शीर्ष अदालत दिलाना चाहता है वह सिर्फ मुकदमों की जिरह, सुनवाई और फैसलों में ही सीमित न रहे। कोर्ट परिसरों के बाहर भी समाज औरतों को वास्तविक सम्मान देगा ताकि हम लैंगिक समानता से युक्त समाज रच सकें। कोर्ट द्वारा दिखाया गया नारी सम्मान का रास्ता आम लोगों को कुछ तो सिखायेगा।



छले एक वर्ष से राहुल गांधी स्वर्ण के और अपनी पार्टी कांग्रेस के राजनीतिक पुनरुत्थान का प्रयास कर रहे हैं। इस दिशा में सबसे पहला उल्लेखनीय कार्यक्रम था भारत जोड़े यात्रा, जिसके पांच महीने के बाकी शैर्षों के दौरान उहोंने एक सहस्री सेनानी की भूमिका निभाते हुए देखा गया। उसके बाद के पांच महीने उहोंने संसद के बाहर बिताए, जिस दौरान उहोंने राजनीतिक शहीद की भूमिका निभाने का मौका मिला। राहुल गांधी की लोकसभा से अव्ययता पर रोक लगाने वाले सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले से शायद उनकी शाहीदी परेड पर रोक लग गई हो। फिर भी, यह निर्णय कांग्रेस के अन्यायपूर्ण दंड के दावे को भी पुष्ट करता है।

इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या से लेकर सोनिया गांधी के त्याग तक, स्पष्ट विचारधारा के अभाव के बावजूद गांधी परिवार की शहादत के आवाजान ने कांग्रेस को एक आवश्यक गोद प्रदान किया है जिससे कांग्रेस के नेता चिपके रहे।

जो भी हो, 'रीब्रांडिंग राहुल' की यह विशेष पुनरुत्थान पिछले संस्करण की तुलना में अधिक फलदायी रही है। इसने न केवल कांग्रेस बल्कि बड़े विपक्षी गठबंधन में भी गांधी की केंद्रीय भूमिका को बढ़ाव दिया है। कई कांग्रेस समर्थकों का मानना है कि अब तरीका गांधी के लिए तीसरा और अंतिम कदम उठाने का मंत्र तैयार हो गया है, और वह है प्रधानमंत्री पद के लिए नंदेंद्र मोदी के प्राथमिक चुनौतीकर्ता की भूमिका।

लेकिन इस स्थान पर कांग्रेस अभी भी खुद को वापर करने के लिये बाहर के बाहर विचारात्मक विवरण देता है।

पीएम पद के दावेदारों अंतिम बदले के बीच लोकप्रियता का अंतर अभी भी बहुत बड़ा है।

उदाहरण स्वरूप मध्य प्रदेश में हाल ही में हुए पी-वोटर सर्वेक्षण से पता चला है कि 57 फीसदी लोगों ने पीएम के लिए अपनी पसंदीदा उम्मीदवार के रूप में मोदी पर भरोसा जारी रखा है, जबकि इससे काही बहुत कम 18फीसदी लोग राहुल के पक्ष में हैं। इसी स्थिति ही कांग्रेस और केंद्रीय दलों दोनों को एक राष्ट्रीय चुनाव को राज्य स्तरीय चुनावों की श्रृंखला में बदलते हुए एक शक्तिशाली राजनीतिक परिवर्तन की पुस्तक है।

यहाँ वह समय था जब मणिपुर मीडिया के कुछ हिस्सों ने इस विभाग को तुरंत खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री श्री सिंह को पद छोड़ने की मांग भी खारिज कर दी गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद कुकी नेताओं के साथ और विभिन्न मंत्रों पर अपनी बैठकों में प्रस्तावित बदलावों को खारिज कर दिया।

यहाँ वह समय था जब मणिपुर मीडिया के कुछ हिस्सों ने इस विभाग को तुरंत खारिज कर दिया। उहोंने तरह दिया कि केवल गैर अदिवासी मेंटरी और नागा ही मणिपुर के मूल और सबसे पुणे निवासी थे। जहाँ तक कुकीयों का सवाल है, ऐतिहासिक संदर्भों से पता चलता है कि वे उत्तीर्णी संदी के मध्य या उसके आसपास बर्मा से आये थे। किसी भी अन्य चीज़ से अधिक, यह संदेश पूर्वोत्तर क्षेत्रीय राजनीतिक परिवर्त्य में सभी सक्रिय हितधारकों के लिए एक सौम्य अनुसारक था, जिसमें विभिन्न विभागों ने भौतिकी के बीच लोकप्रियता को अपने साथ ले रही थी।

अधिकांश पूर्वोत्तर-आधारित पर्यवेक्षकों ने कहा कि चूंकि मणिपुर में रहने वाले नागों को हमेशा ही गैर-आदिवासी बहुसंख्यक मैतेर्ड लोगों की तरह राज्य का 'मूलनिवासी' माना जाता है, इसलिए यह केवल समय की बात है कि वे अपना रुख स्पष्ट करें क्योंकि एक ताजा जातीय संघर्ष छिड़ गया है, जिसमें इस बार कुकी नेताओं द्वारा कावजूद, ज्यादा तरह दिलाते हैं।

ज्यादा तरह इसाई नागों ने चर्चा की तरह दिलाते हैं।

ज्यादा तरह इसाई नागों ने चर्चा की तरह दिलाते हैं।

आदिवासी सरपंच पति की रोजगार सहायक ने सरेआम की पिटाई, मामला दर्ज

पत्रा, देशबन्धु। पता जिले की कुछ ग्राम पंचायतों में अनियमित मनमानी तानाशाही और भ्रष्टाचार इस कदर हावी हो चुका है कि शिकायत करने वालों को धर्मांकियों और मारपेट का भी सम्मान करना पड़ जाता है, इसी प्रकार का मामला अजयगढ़ पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत नन्दनपुर का प्रकाश में आया है। जहां पर रोजगार सहायक द्वारा आदिवासी

सरपंच के पति की सरेआम लात घूंसो से बुरी तरह पिटाई की गई है। बताया जाता है कि सरपंच पति द्वारा रोजगार सहायक के भ्रष्टाचार की शिकायत जिला कलेक्टर के सामने पटक पटक कर पीटा गया जिससे वह बुरी तरह से खायल हो गया, मामले की शिकायत धरमपुर थाना में सौंपकर चोरों को पकड़कर भगवान की प्रतिमाएं बरामद करने की मांग की गई है। मामले के संबंध में उजारी ओमप्रकाश अवस्थी ने बताया कि गांव के मंदिर में ऐतिहासिक भगवान श्री राम, सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं स्थापित थीं जिनमें से सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं अजात चोरों द्वारा कर ले गया है, केवल भगवान राम की प्रतिमा बची हुई है, इनके अलावा भगवान श्री कृष्ण और राधा सहित अन्य देवी देवताओं की भी कई छोटी प्रतिमाएं चोरी की गई हैं।

साथीयों ने गाली गतौज्ञ झुकर कर दी सरपंच और उसके पति के द्वारा रोके पर सरपंच के पति श्यामलाल गौड़ को पंचायत भवन के सामने पटक पटक कर पीटा गया जिससे वह बुरी तरह से खायल हो गया, मामले की शिकायत धरमपुर थाना में सौंपकर चोरों को पकड़कर भगवान की प्रतिमाएं बरामद करने की मांग की गई है। मामले के संबंध में उजारी ओमप्रकाश अवस्थी ने बताया कि गांव के मंदिर में ऐतिहासिक भगवान श्री राम, सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं स्थापित थीं जिनमें से सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं अजात चोरों द्वारा कर ले गया है, केवल भगवान राम की प्रतिमा बची हुई है, इनके अलावा भगवान श्री कृष्ण और राधा सहित अन्य देवी देवताओं की भी कई छोटी प्रतिमाएं चोरी की गई हैं।

जवाहरलाल कुशवाहा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से की टिकिट की मांग



पत्रा, देशबन्धु। रिटायर्ड एसडीओ क्षेत्रीय प्रत्याशी की मांग चल रही है। इंजी. जवाहरलाल कुशवाहा ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मुलाकात कर क्षेत्रीय प्रत्याशी के बारे में बात खींची और कहा कि पार्टी के द्वारा यदि देश विप्रवासी को टिकिट नहीं दी जाती है तो निश्चित पार्टी को हार का सामना करना पड़ेगा।

क्योंकि सर्वे के आधार पर अगर टिकिट दी जा रही है तो बाही व्यक्तियों का विरोध व्योंग पूर्व में भी स्पष्ट कहा था पहली प्राथमिकता क्षेत्र के व्यक्ति को देंगे। पवर्व उपस्थित हुए।

लोकायुक्त कार्यवाई में पकड़े गए वार्ड प्रभारी को छिंदवाड़ा भेजा

भोपाल, देशबन्धु। नगर निगम में बीते एक दशक में लोकायुक्त द्वारा की गई कार्रवाई के बाद जांच प्रभावित होने के डर से उसे मुख्यालय में लगा दिया जाता था। लेकिन नारीय प्रशासन विभाग में शिकायत के बाद पहली बार एक वार्ड प्रभारी का तबादाला छिंदवाड़ा किया गया है। गौरतलव है कि इस वार्ड प्रभारी के खिलाफ उपर्योग के बाद हजार से छह हजार रुपये की रिश्त लेने का आरोप था। जिसकी शिकायत नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग में भी की गई थी।

प्रस जानकारी के अनुसार बीते छह जून को वार्ड क्रमांक 81 के प्रभारी कैलाश यादव मूल पद सहायक राजस्व निरीक्षक के एक मामले में छह हजार की रिश्त मानोंने तक लोकायुक्त ने प्रकरण दर्ज किया था। इस मामले में जॉनल अधिकारी मानोंने तक लोकायुक्त ने प्रकरण दर्ज किया था। यादव ने कर के नाम पर अरुण राजस्व पर्याप्त कार्रवाई के बाद सहित कर्तव्य का जाट सहित कैलाश से पक्ष भी लिया गया।

बाद करवाई प्रभावित न हो इस संबंध में लोकायुक्त द्वारा नगरीय प्रशासन विभाग के स्थानान्तरण भोपाल से अन्वय करने की मांग नहीं। इस पर कैलाश को भोपाल नगर निगम से छिंदवाड़ा भेज दिया गया। हालांकि कैलाश को वर्तमान समय तक निगम की ओर से कोई कार्रवाई न कर के बाद वार्ड प्रभारी के दायित्वों से मुक्त किया गया था। इसके बाद नगरीय प्रशासन विभाग के सह अन्य भरत यादव ने कैलाश को छिंदवाड़ा भेजे जाने के आदेश जारी किया। इसके बाद अब जाकर इस मामले में कैलाश को नगर निगम से कार्यमुक्त करने की तैयारी की जा रही है।

यह था मामला: वार्ड 81 में प्रभारी कैलाश ने कर के नाम पर अरुण राजस्व पर्याप्त कार्रवाई के बाद सहित कैलाश से पक्ष भी लिया गया, जिसके छह हजार रुपये की रिश्त मानी थी। अरुण

ने इसकी शिकायत लोकायुक्त को की थी। इस मामले में लोकायुक्त ने कैलाश को अपना पक्ष रखने के लिए सात जून को बुलाया था। इस दौरान जॉनल अधिकारी मानोंने तार से भी स्पष्टीकरण लिया गया था। इसके बाद सहित अधिकारी यद्यपि दूषक तौर पर कांग्रेस कार्यकारी मंत्री के बाद वार्ड 81 में अपनी हाजीरी देता रहा। इसके बाद नगरीय प्रशासन विभाग के सह अन्य भरत यादव ने कैलाश को छिंदवाड़ा भेजे जाने के आदेश जारी किया। इसके बाद अब जाकर इस मामले में कैलाश को नगर निगम से कार्यमुक्त करने की तैयारी की जा रही है।

यह था मामला: वार्ड 81 में प्रभारी कैलाश ने कर के नाम पर अरुण राजस्व पर्याप्त कार्रवाई के बाद सहित कैलाश से पक्ष भी लिया गया, जिसके छह हजार रुपये की रिश्त मानी थी। अरुण

'हमारे समय की पुकार है अशोक शाह की कविताएं'

भोपाल, देशबन्धु। कविता

जीवन मूल्यों का प्रतीक है। किसी भी अधिक समय में जब तमाम रासों बंद हो जाते हैं तब उनका मानोंनीय पुकार में बदल जाती है। इस संकट के समय में तर्क संगत विचार और प्रगतिशील मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन कर रही अशोक शाह की कविताएं हैं। अशोक शाह के प्रत्यक्षीय सामाजिक अभियानों में तथा कविताएं के पक्ष में ये उत्तराधिकारी योग्यता देते हैं। इसके बाद नगरीय प्रशासन विभाग के सह अन्य भरत यादव ने कैलाश को छिंदवाड़ा भेजे जाने के आदेश जारी किया। इसके बाद अब जाकर इस मामले में कैलाश को नगर निगम से कार्यमुक्त करने की तैयारी की जा रही है।



में स्वानुभव ही नींह परानुभव भी होते हैं। शाह के चर्चानक्तक संसार अर्जित जान से संचालित होता है। अशोक यद्यपि उत्तराधिकारी योग्यता देते हैं, उनके बाद नगरीय प्रशासन विभाग के सह अन्य भरत यादव ने कैलाश को छिंदवाड़ा भेजे जाने के आदेश जारी किया। इसके बाद अब जाकर इस मामले में कैलाश को नगर निगम से कार्यमुक्त करने की तैयारी की जा रही है।

पड़ताल करते हुए कहा कि इस अंक में शाह के प्रत्यक्षीय संग्रहालय में विद्युत योग्यता देते हैं। अर्योग्यता ने अंक में शामिल शाह से लैपटॉप दूषक तौर पर कांग्रेस कार्यकारी मंत्री के बाद वार्ड 81 में अपनी हाजीरी देता रहा। इसके बाद नगरीय प्रशासन विभाग के सह अन्य भरत यादव ने कैलाश को छिंदवाड़ा भेजे जाने के आदेश जारी किया। इसके बाद अब जाकर इस मामले में कैलाश को नगर निगम से कार्यमुक्त करने की तैयारी की जा रही है।

प्रत्यक्षीय संघर्ष के बाद वार्ड 81 में अपनी हाजीरी देता रहा। इसके बाद नगरीय प्रशासन विभाग के सह अन्य भरत यादव ने कैलाश को छिंदवाड़ा भेजे जाने के आदेश जारी किया। इसके बाद अब जाकर इस मामले में कैलाश को नगर निगम से कार्यमुक्त करने की तैयारी की जा रही है।

पन्ना

मंदिर तक का ताला तोड़कर भगवान की मूर्तिया की चोरी

पत्रा, देशबन्धु। पता जिले के अजयगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम कागरे का बारा रिश्त ऐतिहासिक मंदिर में स्थित वेश की मूर्ती अष्ट धूरु को आठ मुर्तियाँ चोरों द्वारा चोरी कर ली गई हैं। जिससे क्षेत्र में हड्डीपंच मच गया है। मंदिर के पुजारी ओम प्रकाश अवस्थी के द्वारा लिखित शिकायत आवेदन अजयगढ़ थाना में सौंपकर चोरों को पकड़कर भगवान की प्रतिमाएं बरामद करने की मांग की गई है। मामले के संबंध में उजारी ओमप्रकाश अवस्थी ने बताया कि गांव के मंदिर में ऐतिहासिक भगवान श्री राम, सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं स्थापित थीं जिनमें से सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं अजयगढ़ थाना में चोरी की गई हैं। गांव के मंदिर में ऐतिहासिक भगवान श्री राम, सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं स्थापित थीं जिनमें से सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं अजयगढ़ थाना में चोरी की गई हैं।

ग्रामीणों ने मुआवजा दिलाए जाने तहसीलदार को राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

पत्रा, देशबन्धु। जिले की सिमरिया तहसील अंतर्गत आवेदन वेश की मूर्तिया की चोरी कर ली गई है। जिससे क्षेत्र में हड्डीपंच मच गया है। मंदिर के पुजारी ओम प्रकाश अवस्थी के द्वारा लिखित शिकायत आवेदन अजयगढ़ थाना में सौंपकर चोरों को पकड़कर भगवान की प्रतिमाएं बरामद करने की मांग की गई है। मामले के संबंध में उजारी ओमप्रकाश अवस्थी ने बताया कि गांव के मंदिर में ऐतिहासिक भगवान श्री राम, सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं स्थापित थीं जिनमें से सीता और लक्ष्मण की बड़ी प्रतिमाएं अजयगढ़ थाना में चोरी की गई हैं।

